तर्ज--कहे तोसे सजनी

बल बल जाऊं चरण कमल पे
बल बल जाऊं पिया के नूरी मुख पे
दर्शन कर जिनके सुख उपजे है

1--नैन अनियारे,मेरे पिया के
हर पल, जो सनकूल रूहों पे
निरखती रंहू मैं जिया यही चाहे

2--कंबु हक सिर पर मुकुट है सोहे
पेच पाग के मन मेरा मोहे
बरनन सुन के जिया क्यों रहा रे

3--वस्तर भूखन तन की है शोभा
न पहना न उतारया है दूजा
हर रूह देखे है दिल माफक रे

4--कटि पेट पासे खभे है कैसे
देखत बने है न कहनी मे आवे
इलम से तेरे रूह सुख पाए

Nijanand App